## राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ-227132

संख्या-ई.स. १५८५ /जी.एस. दिनांकः १२-/ ९ /2006

<u>देषक</u>

श्री राज्यपाल/कुलाधिपति के अनु सचिव उत्तर प्रदेश।

सेवा में

कुलसचिव, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्वल विश्वविद्यालय जीनपुर।

महोदय.

आपके पत्रांक-२०२२ / सम्बद्धता / ०६ दिनांक ३०-०६-२००६ के सदर्भ में मुझे आपसे वह कहने का निदेश हुआ है कि महामहिम कुलाधिपति महोदय ने उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-१६७३ की धारा-३७ (२) के " परन्तुक " के अधीन तिलेश्वरी देवी महाविद्यालय, गौरा पताई, बलिया को रनातक रतर पर कला संकाय के अन्तर्गत हिन्दी, संस्कृत,प्राचीन इतिहास, भूगोल, गृह विद्यान, समाजशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र विषयों में स्ववित्त पोषित योजनान्तर्गत निम्नलिखित शर्तों के अधीन दिनांक ०१-०७-२००६ से आगाभी तीन वर्षों हेतु सम्बद्धता की स्वीकृति सहर्ष प्रदान कर दी है-

१- महाविद्यालय निरीक्षण आख्या एवं प्रयत्र "बी" में इंगित समस्त कमियों को पूरा कर क्षेणा अन्यथा अगले शैक्षणिक वर्ष में छात्रों का प्रवेश प्रतिबन्धित रहेगा।

महाविद्यालय द्वारा प्राधार्थ एवं प्रस्तावित विषयों में शिक्षकों की नियमानुसार नियुक्ति कर उन पर

विश्वविद्यालय का अनुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा!

३- महाविद्यालय व्यारा प्रबन्ध तंत्र का अनुमोदन विश्वविद्यालय से प्राप्त कर लिया जायेगा।

४- संस्था उच्च शिक्षा विभाग व्हारा जारी शासनादेश संख्या-२८५१/सत्तर-२-२४०३-१६ (६२)/२००२, दिनांक २ जुलाई २००३ में उल्लिखित दिशा-निर्देशों एवं समय-समय पर इस विषय में निर्गत शासनादेशों का पालन करेगी।

प्- यदि संस्था ब्दारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय व्याश निर्धारित शर्तो एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-१९७३ के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गई सम्बद्धता वापसे लिये जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

महाविद्यालय उपरोक्त समस्त किमयाँ आगामी एक भाह में पूर्ण कर तेगा।

भवदीय

(विजय कुमार सिंह ) कुलाधिपति के अनु संधिव

## प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनाथं एवं आवश्यक कार्यवाही छेत् प्रेषित:-

सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लंखनऊ।
निदेशक,उच्च शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा निदेशालय, इलाहाबाद।
प्रवश्यक/प्राणार्थ, तिलेश्वरी देवी महाविद्यालय, गीरा पतोई,बितया।

किला क्या र सिंह ) कलाधिपति के अन् संविध